

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-10
सं०— /XXVII(10)/ E-77990 /2024 /
देहरादून : दिनांक सितम्बर, 2024

समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव,
सचिव/प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

महोदय प्रायः प्रशासकीय विभागों द्वारा राज्य सरकार के अधीन किसी विभाग में कार्यरत राजकीय लोक सेवक द्वारा संबंधित विभाग में नियुक्त होने से पूर्व अन्यत्र उत्तराखण्ड राज्य सरकार, केन्द्रीय, केन्द्रशासित प्रदेश एवं अन्य राज्य सरकारों के अधीन की गई सेवाओं को पेंशनरी लाभों के प्रयोजनार्थ जोड़े जाने एवं वेतन संरक्षण प्रदान करने संबंधी प्रस्ताव वित्त विभाग को संदर्भित किये जाते हैं।

उक्त प्रस्तावों को वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड सेवानिवृत्ति लाभ अधिनियम (यथासंशोधित), 2018 एवं अन्य प्रचलित शासनादेशों में वर्णित प्राविधानों के आधार पर निस्तारित किया जाता है, जिनमें संबंधित कार्मिक की पूर्व सेवा एवं वर्तमान सेवाओं को जोड़े जाने तथा वेतन संरक्षण प्रदान करने हेतु कतिपय सूचना एवं अभिलेख वांछित होते हैं। राज्यान्तर्गत इस सन्दर्भ में अपेक्षित सूचना/अभिलेख हेतु विभागों के मध्य उक्त की सूचना प्रसारित/प्रचारित नहीं हैं, जिससे वित्त विभागान्तर्गत उक्त प्राप्त प्रस्तावों का ससमय निस्तारण किये जाने में कठिनाई उत्पन्न होती।

अतः उपरोक्त के दृष्टिगत वित्त विभागान्तर्गत उक्त विषयक प्रस्तावों का नियमानुसार ससमय निस्तारण किये जाने के उद्देश्य से वित्त विभाग को सन्दर्भित किये जाने वाले उक्त प्रस्तावों को निम्नवत् प्रारूप में वांछित अभिलेखों सहित प्रेषित करने का कष्ट करे :-

क्र०सं०	विवरण	वर्तमान सेवा	पूर्व सेवा
क). वर्तमान एवं पूर्व सेवा के संबंध में वांछित सूचना/अभिलेख			
1.	कार्मिक का नाम		
2.	कार्मिक की जन्म तिथि		
3.	कार्यालय/विभाग का नाम		
4.	पदनाम एवं वेतनमान		
5.	नियुक्ति आदेश संख्या एवं दिनांक (संलग्न आदेश)		
6.	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि (संलग्न अभिलेख)		
7.	नियुक्ति प्राधिकारी		
8.	स्थायीकरण की तिथि (संलग्न आदेश)		
10.	अधिवर्षता की तिथि		
11.	विभाग में की गयी नियमित सेवा की कुल अवधि		

12.	क्या सेवाएं पेंशनेबल है/थी ? (संलग्न अभिलेख)		
13.	वर्तमान सेवा के नियुक्ति प्राधिकारी अथवा वित्त नियंत्रक प्राधिकारी का मंतव्य/संस्तुति।		----
14.	क्या कार्मिक के विरुद्ध कोई विभागीय/न्यायिक/सर्तकता जाँच प्रचलित/लम्बित हैं या थी ? यदि हाँ, तो तद्संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराये।		
ख). पूर्व सेवा के संबंध में वांछित सूचना/अभिलेख			
15.	वर्तमान सेवा की परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र की तिथि (संलग्न आदेश)		
16.	कार्यमुक्ति (तकनीकी त्यागपत्र) की तिथि (संलग्न आदेश)		
17.	क्या पूर्व में तदर्थ/कार्यप्रभारित/संविदा /सीजनल/नियत वेतन के रूप में सेवा की गयी ? यदि हां, तो विवरण उपलब्ध कराये। (तद्संबंधी निर्गत आदेशों की प्रतिलिपि)		
18.	क्या पूर्व में सेवाओं में अवैतनिक अवकाश लिया गया था ? यदि हां, तो विवरण उपलब्ध कराये। (संलग्न आदेश)		
19.	क्या दो सेवाओं के मध्य व्यवधान रहा है ? यदि हां, तो—		
(I)	व्यवधानों की अवधि, तिथि सहित।		
(II)	व्यवधान का कारण।		
(III)	क्या व्यवधान का मर्षण कर लिया गया है अथवा प्रस्तावित है ? मर्षण किये जाने की दशा में उक्त संबंधी आदेश की प्रति।		
20.	क्या पूर्व सेवा में ब्रेक-इन सर्विस रही है ? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की प्रति।		
21.	क्या दण्ड स्वरूप किसी सेवा अवधि को ड्यूटी पर नहीं माना गया है? यदि हां, तो अवधि इंगित की जाए तथा तत्संबंधी आदेश संलग्न करे।		
22.	सेवा पुस्तिका की सत्यापित प्रति।		
23.	पूर्व विभाग में आहरित अन्तिम वेतनमान एवं नए विभाग में प्राप्त प्रथम वेतनमान।		

नोट— यदि संबंधित कार्मिक द्वारा पूर्व में एक से अधिक विभाग में सेवा की गई हैं, तो उक्त हेतु उपरोक्त प्रारूपानुसार पृथक-पृथक सूचना प्रेषित की जाये।

(डा० वी० षण्मुगम)
सचिव

सं०— /XXVII(10)/ E-77990 /2024, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1— अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 2— समस्त मण्डलायुक्त, कुमाँऊ/गढ़वाल मण्डल।
- 3— समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4— समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
- 5— निदेशक, कोषागार, पेंशन एवं हकदारी, देहरादून।
- 6— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विजय कुमार)
संयुक्त सचिव